अंतरिक्ष अभ्यास 2024

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में रक्षा मंत्रालय के तहत **रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी** ने नई दिल्ली में अंतरिक्ष संबंधी भारत के पहले अभ्यास, 'अंतरिक्ष अभ्यास' का आयोजन किया।

- **उद्देश्य:** अंतरिक्ष में राष्ट्रीय रणनीतिक उद्देश्यों को सुरक्षित करने के क्रम में **अंतरिक्ष आधारित परिसंपत्तियों एवं सेवाओं से संबंधित खतरों का** अनुकरण और विश्लेषण करना।

प्रमुख लक्षित क्षेत्र:

- सैन्य अभियानों में **अंतरिक्ष क्षमता के एकीकरण को** बढ़ावा देना।
- **अंतरिक्ष परिसंपत्तियों** से संबंधित परिचालन निर्भरता की बेहतर **समझ प्रदान करना।**
- कमज़ोरियों की पहचान करने के साथ **अंतरिक्ष-आधारित सेवाओं में व्यवधान का समाधान** करना।
- **अंतरिक्ष क्षेत्र का सैन्य उपयोग: सीमा पर घुसपैठ, अवैध गतिविधियों एवं मिसाइल प्रक्षेपण का** पता लगाने के लिये सशस्त्र बलों द्वारा अंतरिक्ष क्षमताओं का उपयोग निर्णायक है।
- **भारत की क्षमता: मार्च 2019** में भारत ने **मिशन शक्ति** के तहत अंतरिक्ष कक्षा में **दुश्मन के उपग्रहों को नष्ट या निष्क्रिय करने** के लिये डिज़ाइन किये गए **एंटी-सैटेलाइट (ASAT) टेस्ट का** सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- **विनियमन: बाह्य अंतरिक्ष संधि,1967** के अनुसार, बाह्य अंतरिक्ष का उपयोग केवल शांतिपूर्ण कार्यों के लिये ही किया जाना चाहिये।
    - समुद्र तल से **100 किलोमीटर ऊपर स्थित** कार्मन **रेखा वह सीमा रेखा है** जहाँ से **पृथ्वी क्षेत्र समाप्त होने के साथ बाह्य अंतरिक्ष** की शुरुआत होती है।

और पढ़ें: सपेस एंड बियॉन्ड: ISRO का उदय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/antariksha-abhyas-2024